बरेली, शनिवार
8 फरवरी 2020
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 6.00
पृष्ठ 22+4=26

दैनिक जागरण

inext

Page NO :04 Bottom

‘अपना स्वरूप बदलकर आक्रमण करता है वायरस’

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (7 Feb): यूपी-यूके माइक्रोकान 2020 के सेकंड डे को देश के प्रतिष्ठित माइक्रोबायोलोजिस्ट ने अपने शोध पर चर्चा की. सभी ने बढ़ते एंटीबायोटिक्स के चलन और उसके बेअसर होने पर चिंता जताई. नई दिल्ली स्थित राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. बीएल शेरवाल ने संक्रमण से बचाव के लिए हाथ मिलाना बंद कर नमस्कार करने की बात कही. उन्होंने कहा कि वायरस लगातार अपना स्वरूप बदल कर आक्रमण करते हैं, संक्रमण से बचने के लिए हाथ मिलाने के स्थान पर दूर से नमस्कार बोलें. वहीं डॉ. शंपा अनुपूर्वा और डॉ. यूसी चतुर्वेदी ओरेशन अवार्ड दिया गया.

बॉयोलॉजिस्ट की भूमिका

एसआरएमएस इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में यूपी-यूके माइक्रोकान 2020 का औपचारिक इनॉग्रेशन डॉ. बीएल शेरवाल और विशिष्ट अतिथि आईएमएस बीएचयू के प्रो. डॉ. गोपाल नाथ ने किया. डॉ. शेरवाल ने बीमारियों की जांच में माइक्रोबायलाजिस्ट की भूमिका को अहम बताया. डॉ. शेरवाल ने कोरोना वायरस के प्रकोप पर भी जिंता जताई.

दवाएं हो रही बेअसर

एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति ने कहा कि एंटीबायोटिक्स का बेअसर होना मुसीबत को और भी बढ़ा रहा है. उन्होंने कहा कि कोरोना जैसे नए वायरस को खत्म करने के लिए दुनिया माइक्रोबायोलाजिस्ट की ओर ही नजर लगाए है, ऐसे में उनकी जिम्मेदारी बढ़ जाती है. यहां पर प्रो. डॉ. गोपाल नाथ, डॉ. उज्ज्वला घोषाल, डॉ. अमिता जैन, डॉ. अनूप घोष, डॉ. पल्लव रे, डॉ. प्रियंका गुप्ता, डॉ. राकेश सिंह, आदित्य मूर्ति, डॉ. एसबी गुप्ता, डॉ. सुभाष मेहरा, डॉ. निर्मल यादव, डॉ. एचओ अग्रवाल, डॉ. नीलिमा मेहरोत्रा, डॉ. वंदना सरदाना, अनुज कुमार, डॉ. आईए खान उपस्थित रहे.